अनुसूचित जाति के किसानों की आय दोगुनी करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तर प्रदेश राज्य में अनुसूचित जाति किसानों की संख्या बहुत अधिक है। यह किसान अधिकतर छोटे या मझोले श्रेणी के है। इन किसानों की आय दोगुनी करने हेतु केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान– क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ में 4 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ दिनांक 21 सितम्बर 2022 को हुआ। इस अवसर पर डॉ. सेंथिल पाण्डेयन, आयुक्त, उत्पाद शुल्क (उत्तर प्रदेश) मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। डॉ. पाण्डेयन ने कहा कि खेती योग्य भूमि दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है। इसलिए सरकार किसानों को खेती के प्रति उत्साहित करने के लिए नयी–नयी योजनाएं आरम्भ कर रही है। प्रदेश के किसान अपने खेतों में ऊसरता से भी जूझ रहे हैं। मुख्य अतिथि ने किसानों से आहवाहन किया कि वे अपने खेतों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए केन्द्र की तकनीकियों का लाभ उठाए। इस प्रशिक्षण में 10 अनुसूचित जाति के किसानों, जोकि लखनऊ और बाराबंकी जिलों से आये थे, ने भाग लिया। किसानों को विभिन्न पहलुओं जैसे ऊसर भूमि के सुधार और प्रबंधन, केले की खेती की विधियां, केचुंआ खाद बनाने के तरीके इत्यादि पर वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिये। इसके अलावा किसानों को शिवरी फार्म, कृषि विज्ञान केन्द्र का भ्रमण करवाकर वहां की गतिविधियों से अवगत कराया गया। केन्द्र द्वारा विकसित बायो फार्मूलेशन जैसे हेलो मिक्स व फ्यूजीकांट भी किसानों को वितरित किया गया।

डॉ. टी. दामोदरन, अध्यक्ष ने भी किसानों से ऊसर भूमि के सुधार करने हेतु उपलब्ध तकनीकियों जैसे हैलो–एजो, ग्रो–श्योर, फ्यूजीकांट, आदि जैवउर्वरकों, नियंत्रकों के बारे में जानकारी दी। उन्होनें आहवाहन किया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले किसानों को '**कृषकनेता**' बनने की आवश्यकता है। वे किसान दूसरे किसानों को भी नई तकनीकियों के प्रति उत्साहित कर सकते हैं। इस तरह से ऊसर भूमि की कृषि उत्पादकता को बढ़ाकर किसानों की आय को दो गुना किया जा सकताहै। वैज्ञानिक विधियों द्वारा ऊसर भूमि के सुधार एवं प्रबंधन पर डॉ. संजय अरोड़ा ने व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.एच. रिज़वी ने कार्यक्रम की रूप–रेखा तैयार की और प्रशिक्षण को आयोजित करने में मुख्य भूमिका निभाई।

वैज्ञानिक विधियों से ऊसर भूमि में लवणसहिष्णु कृषि की अपार संभावना

वैज्ञानिक विधियों से ऊसर भूमि में लवणसहिष्णु कृषि की अपार संभावना

वैज्ञानिक विधियों से ऊसर भूमि में लवणसहिष्णु कृषि की अपार संभावना